अभ्यास पत्रक

पाठ – एवरेस्ट: मेरी शिखर यात्रा

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

1. गद्यांश पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। *(3 प्रश्न × 1 अंक + 2 Assertion-Reasoning प्रश्न × 1 अंक = 5)*

गद्यांश:

एवरेस्ट की ऊँचाई, वहाँ की जलवायु, बर्फीली आँधी और ऑक्सीजन की कमी – ये सभी पर्वतारोहियों के लिए बड़ी चुनौतियाँ हैं। इन कठिनाइयों के बीच भी हमने हार नहीं मानी। हमारे अंदर यह विश्वास था कि यदि प्रयास पूरे मन से किया जाए, तो कोई लक्ष्य असंभव नहीं होता।

1. पर्वतारोहियों के सामने कौन-कौन सी कठिनाइयाँ थीं?

उत्तर - .....

.....

2. लेखिका ने किस भावना से कठिनाइयों का सामना किया?

उत्तर - .....

.....

3. किस बात में लेखिका को पूरा विश्वास था?

उत्तर - .....

.....

4. कथन एवं कारण को पढ़कर सही विकल्प चुनिए:
   कथन: एवरेस्ट पर चढ़ना शारीरिक व मानसिक दोनों दृष्टि से कठिन होता है।
   कारण: वहाँ का तापमान, ऑक्सीजन की कमी और बर्फीली आँधी बाधाएँ बनती हैं।
   (क) दोनों सही हैं और कारण सही व्याख्या है।
   (ख) कथन सही, कारण गलत।
   (ग) कथन गलत, कारण सही।
   (घ) दोनों गलत हैं।
5. कथन एवं कारण को पढ़कर सही विकल्प चुनिए:
   कथन: एवरेस्ट की चढ़ाई असंभव होती है।
   कारण: किसी ने भी उस पर विजय प्राप्त नहीं की।
   (क) दोनों सही हैं और कारण सही व्याख्या है।
   (ख) कथन सही, कारण गलत।
   (ग) कथन गलत, कारण सही।
   (घ) दोनों गलत हैं।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनिए: (प्रत्येक 1 अंक, कुल 5 अंक)

6. एवरेस्ट यात्रा के दौरान सबसे बड़ी चुनौती क्या थी?
   (क) ऊँचाई (ख) बारिश (ग) भोजन (घ) पथरीला रास्ता
7. लेखिका ने किस भाव से पर्वतारोहण किया?
   (क) डर के साथ (ख) असमंजस में (ग) आत्मबल और संकल्प से (घ) दबाव में
8. लेखिका की यात्रा में सबसे बड़ा प्रेरणास्रोत क्या था?
   (क) पैसा (ख) देशभक्ति (ग) पुरस्कार (घ) परिवार

9. लेखिका ने यात्रा से पहले क्या किया?
(क) दौड़ लगाई (ख) व्याख्यान दिया (ग) पर्वतारोहण प्रशिक्षण लिया (घ) विश्राम किया

10. लेखिका ने चोटी पर पहुँचकर किसका झंडा फहराया?
(क) संयुक्त राष्ट्र का (ख) भारत का (ग) पर्वतारोहण क्लब का (घ) एशियाई खेल संघ का

3. लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 2 अंक, कुल 6 अंक)

11. एवरेस्ट की चढ़ाई में लेखिका ने किन मानसिक गुणों का प्रदर्शन किया?

उत्तर - ....
....
....

12. लेखिका के अनुसार किसी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए क्या आवश्यक है?

उत्तर - ....
....
....

13. लेखिका की इस उपलब्धि से क्या संदेश मिलता है?

उत्तर - ....
....
....

4. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (1 प्रश्न – 4 अंक)

14. लेखिका की एवरेस्ट यात्रा से हमें क्या प्रेरणा मिलती है? *(100–120 शब्दों में)*

उत्तर - ....
....
....
....
....
....
....
....

5. निबंधात्मक प्रश्न (1 प्रश्न – 5 अंक)

15. "कठिनाइयों में भी सफलता संभव है" विषय पर 160–180 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।

उत्तर - ....
....
....
....
....
....
....
....
....
....

egyanarchive

उत्तर कुंजी

1. ऊँचाई, बर्फीली आँधी, ठंड और ऑक्सीजन की कमी।
2. दृढ़ निश्चय और आत्मविश्वास के साथ।
3. लेखिका को विश्वास था कि सच्चे प्रयास से हर लक्ष्य संभव है।
4. (क)
5. (घ)
6. (क)
7. (ग)
8. (ख)
9. (ग)
10. (ख)
11. लेखिका ने आत्मबल, धैर्य, साहस और संकल्प जैसे मानसिक गुणों का प्रदर्शन किया।
12. लेखिका के अनुसार लक्ष्य पाने के लिए मेहनत, आत्मविश्वास और दृढ़ निश्चय आवश्यक हैं।
13. यह उपलब्धि हमें बताती है कि स्त्रियाँ भी हर क्षेत्र में पुरुषों के समान सक्षम हैं।
14. लेखिका की एवरेस्ट यात्रा से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि जीवन में कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। कठिन परिस्थितियों में भी यदि मनुष्य आत्मबल, धैर्य और समर्पण के साथ प्रयास करे तो वह सफलता प्राप्त कर सकता है। लेखिका ने अनेक कठिनाइयों का सामना किया – जैसे कि भीषण ठंड, ऑक्सीजन की कमी और बर्फीली आँधी – लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। उनका देश के प्रति प्रेम और कुछ कर दिखाने की इच्छा उनके मन में निरंतर बनी रही। उनके साहस और आत्मबल से हम सीख सकते हैं कि कठिनाइयाँ हमारे रास्ते की बाधा नहीं, बल्कि परीक्षा होती हैं।
15. जीवन में कठिनाइयाँ सफलता के मार्ग की कसौटी होती हैं। वे हमारे धैर्य, आत्मबल और प्रयास की परीक्षा लेती हैं। जो व्यक्ति कठिन समय में भी हिम्मत नहीं हारता, वही सच्चे अर्थों में विजेता कहलाता है। एवरेस्ट जैसी ऊँचाई को फतह करना सिर्फ शारीरिक नहीं, बल्कि मानसिक शक्ति का भी प्रमाण है। लेखिका ने अपनी दृढ़ता, साहस और मेहनत से यह सिद्ध किया कि यदि मन में लगन हो, तो कोई भी कठिनाई मार्ग में बाधा नहीं बन सकती। यह यात्रा उन सभी के लिए प्रेरणास्रोत है जो जीवन में आगे बढ़ना चाहते हैं। चाहे परीक्षाएँ हों, प्रतियोगिताएँ हों या कोई व्यक्तिगत संघर्ष – यदि हम संकल्प लें और लगातार प्रयास करें, तो सफलता अवश्य मिलती है। कठिनाइयाँ केवल मनुष्य को मजबूत बनाने का माध्यम हैं।

egyanarchive